प्रारम्भिक सम्बोधन

अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, सप्तदश बिहार विधान सभा के इस त्रयोदश सत्र में आपसबों का स्वागत है।

वर्त्तमान सत्र में कुल 05 बैठकें निर्धारित है इसमें प्रश्न एवं लोक महत्व की सूचनाओं के साथ–साथ वित्तीय वर्ष 2024–25 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी का व्यवस्थापन होगा। राजकीय विधेयक भी लिए जाएंगे तथा गैर सरकारी संकल्प की सूचना भी निपटाए जाऐंगे ।

माननीय सदस्यगण, संसदीय प्रणाली लोकतंत्र के प्रभावी संचालन के लिए अनिवार्य है, क्योंकि यह शक्ति के विकेंद्रीकरण, जनता की भागीदारी और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करती है। इसमें विधायकों की भूमिका एक सेतु की तरह होती है, जो जनता और सरकार के बीच संवाद स्थापित करती है। सदन में विचार–विमर्श का मुद्दा लोकतंत्र की बुनियादी संरचना और उसके सुचारु संचालन में निहित है। यह महज एक प्रक्रिया नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल तत्व है। यह समाज को न्याय, समानता और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने का आधार प्रदान करती है। ऐसे में सदन में विचार–विमर्श को प्रभावी और समावेशी बनाना ही हम सभी प्रतिनिधियों का कर्त्तव्य है।

हमलोगों ने एक मजबूत संसदीय प्रणाली विकसित की है। भारत में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक संतुलन स्थापित है। यह संतुलन स्थापित हुआ है हमारे संविधान से। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि कल ही संविधान दिवस भी है। आप अवगत होंगे कि 26 नवम्बर, 1949 को देश ने

Contd....2

अपने संविधान को अपनाया था। हमारा संविधान न केवल एक दस्तावेज है बल्कि यह हमारे देश की विविधता, एकता और लोकतांत्रिक आदर्शों का प्रतीक भी है। एक तरफ यह हमारे अधिकारों की रक्षा करता है तो दूसरी तरफ हमें अपने कर्त्तव्यों का बोध भी कराता है। हमें संविधान के मूलभूत आदर्शों को और अधिक समावेशी बनाने के लिए सतत् प्रयासरत रहने की आवश्यकता है।

माननीय सदस्यगण, मैंने यह महसूस किया है कि सदन में वाद–विवाद का स्तर कभी–कभी व्यक्तिगत आरोप–प्रत्यारोप में सिमट जाता है। इससे बचने की जरूरत है। कुछ हद तक तो इसे प्रक्रिया नियमों के बजाए आत्म–संयम से भी नियंत्रित किया जा सकता है। आप इसका ख्याल रखेंगे तो सदन में वाद–विवाद का स्तर भी बढ़ेगा और इससे आमजन के अधिक से अधिक हितों का हल साधा जा सकेगा।

आपसबों से अनुरोध है कि इस सत्र में सदन के समय का प्रभावी ढंग से उपयोग करें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि सत्र संचालन में आपसबों का पूर्ण सहयोग मिलता रहेगा।

****